स्वरोजगार के रास्ते मिलेगी युवाओं के हुनर को मंजिल

बेरोजगारों को नौकरी दिलाने के लिए नए साल में लगेंगे 100 विशाल रोजगार मेले

अतुल शर्मा • जागरण

1,50,000 युवा जनपद में प्रत्येक वर्ष हो जाते हैं नौकरी के लिए तैयार

1,5000 युवाओं को इस वर्ष नौकरी दिलाएगा सेवायोजन कार्यालय

2000 नए स्वयं सहायता समूह बनेंगे इस वर्ष

10,000 से ज्यादा महिलाओं को कुटीर और लघु उद्योगों से जोड़ेंगे

2500 युवा को प्रशिक्षण देगा ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान

20 हजार से ज्यादा युवा को कैंपस प्लेसमेंट से ही मिल जाती है नौकरी

जनसंख्या नियोजन

मेरठ : नये वर्ष में रोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से युवाओं और महिलाओं के हुनर को मंजिल तक पहुंचाया जाएगा। सेवायोजन कार्यालय, उद्योग केंद्र और व्यवसायिक शिक्षण के बड़े बड़े समूह तो युवा को उनकी योग्यता के मुताबिक रोजगार दिलाने में जुटे हैं वहीं स्वरोजगार भी प्राथमिकता होगी। ताकि युवा और महिलाएं खुद अपना काम शुरू कर सकें। अन्य लोगों को भी रोजगार दे सकें। नये साल में जहां सेवायोजन विभाग ने 15 हजार से ज्यादा लोगों को नौकरी दिलाने का लक्ष्य है वहीं 10 हजार से ज्यादा महिलाओं को उनके हुनर के मुताबिक प्रशिक्षण दिलाकर अपने काम से जोड़ने की तैयारी है।

इसके लिए स्वयं सहायता समूहों और एक जिला एक उत्पाद योजनाओं का सहारा लिया जाएगा। नया साल 2025 रोजगार की तलाश में जुटे लोगों के लिए नई उम्मीदें लेकर आया है। आंकड़े गवाह हैं कि जनपद में सरकारी और निजी कालेजों से डिग्री पूरी करके प्रत्येक वर्ष डेढ़ लाख से ज्यादा युवा नौकरी की तलाश में निकलते हैं। हालांकि बड़े बड़े व्यवसायिक शिक्षण संस्थान अपने परिसर में ही देशी विदेशी कंपनियों को आमंत्रित करके कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से हर वर्ष 20 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरी दिलाने का दावा करते हैं। सेवायोजन विभाग की माने तो उसने वर्ष 2024-25 में लगभग 8 हजार को रोजगार दिलाया। नए साल में यह लक्ष्य 15 हजार रखा गया है। जिसके लिए 100 से ज्यादा रोजगार मेले लगाने की तैयारी की जा रही है।

स्वरोजगार से जुड़ेंगी 10 हजार महिलाएं: जनपद में गली गली में खेल उत्पाद तैयार होते हैं। उद्योग विभाग इस उद्योग के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा महिलाओं और अन्य लोगों को जोड़कर रोजगार दिलाने में जुटा है। इसके लिए प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है। इसके बाद उनके खुद का काम शुरू कराने के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान की जा रही है। फिलहाल जनपद में 35 गांवों में खेल उत्पाद तैयार किए जाते हैं। जिनसे 5000 से ज्यादा महिलाएं और 10 हजार से ज्यादा अन्य लोग जुड़े हैं। महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की संख्या को भी 9000 से बढ़ाकर 11 हजार करने का लक्ष्य रखा गया है। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ेंगी।

सैनेटरी पैड और शहद, सिरका भी देंगे रोजगार: समूहों से जुड़ी महिलाओं को फूलों की खेती, सब्जी उत्पादन, चप्पल निर्माण, गुड़, सिरका, सेनेटरी पैड निर्माण, मधुमक्खी पालन करके शहद उत्पादन समेत तमाम कार्यों का प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए तैयार किया जा रहा है।

दो हजार युवा प्रशिक्षण लेकर करेंगे अपना काम: ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान भी नये साल के लिए तैयार है। उसने दो हजार युवा को स्वरोजगार के लिए तैयार करने की तैयारी की है। इसमें लड़कियों को ब्यूटी पार्लर और फैशन डिजाइन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जेम जैली निर्माण सिखाया जाएगा। बैंक सखी बनाया जाएगा। लड़कों को एसी फ्रिज रिपेयरिंग, मोबाइल कंप्यूटर रिपेयरिंग समेत तकनीकि प्रशिक्षण देकर उनका अपना काम शुरू कराया जाएगा।

27 हजार श्रमिकों को मनरेगा से मिल रहा काम

मनरेगा योजना भी अकुशल श्रमिकों के लिए रोजगार का बड़ा माध्यम बन रही है। जनपद में कुल 46,984 जाबकार्ड मनरेगा योजना के तहत जारी किए गए हैं। जिनमें कुल 54,458 श्रमिकों के नाम शामिल हैं। इनमें से 27201 श्रमिक सक्रिय हैं। जिन्हें लगातार काम मिल रहा है।